

でかれてのますがは、(CHAPTER-8)

「TAMTHIRABA AIDS AMASUNG でいます。 (TAMTHIRABA AIDS AMASUNG INKHATLAKLIBA NAHAROL)

ന്ट്രന്ത്ര (SOLUTIONS)

र्टेंटहाणी लक्ष्मण

: पार्य अर्था भार्दिर रिक्ष

జర్హంగు गाया क्रिया इर्याध्य गागापा स्मा = ి ఆస్ట్ गारि गारि

ന്**ന** = गा°५८° ५४

वेक्रस्ट = त्रेंट्रण वेक्रें

मध्ये टेमए = एष्टिमए

टेक्रपूर = क्रेक्टिंग संभित्र ए॰ लेक्र व्रेंटर

इन्हर्म = स्वाप्ति द्वारा = स्वाप्ति द्वारा

ण्यक्रीरू = ण<u>भक</u>्र

मर्रम = द्रणाणध्य

°भूष्य हर्रा =°भूष्य प्रभूष मोश्राधार

न्ध्रम् हो स्वायक्षेत्र व्यक्त स्वायक्ष्य व्यक्त

मेर्द

11 जिद $^{\prime}$ जोज रहे हिंद जिप्त भारत है 23/03 भारत रहे हिंद जिप्त स्थाप स्थाप

ടെ ചെല്ല ചെല്ല

ਆਰਜ \mathbf{m} ਸਾਂਘਾਰੰਡ ਗੰਜਾ ਦਰਤ ॥ द्राप्यभं । द्राप्यभं

ग्रां पुगारिण क्रिक्षेण प्रसंख्या ग्रोंसरहलू ग्रांचार प्रांतिक स्वांचे वेष्णक्ष्य स्वांचे सेसर क्ष्याच्या क्रिक्ष प्रांतिक क्रिक्ष प्रांतिक प्रां

गोंक्रः क्रक्णण नेत्रहर्ण स्विभिष्ण नेत्रहर प्रेटि सहस्ति साथ क्रिक्षण सिला लिटि स्विप्त स्विभिष्ठ नेत्रहर सिप्तेष्ठली स्विप्त निवास से स्विप्त स्वि

2 ॥ **प्राथक असमस्य प्राथम कार्य कार**

ਸ਼ੀ हमणा है। एक्टर एक निर्मात के सार्थ का हिल्ली प्रकार का एक स्थार हिल्ली है। स्थार प्रमाण है। स्थार प्रम स्थार प्रमाण है। स्थार स्थार प्रमाण है

- ख्य) सर्वाण प्राचित्र ए<u>५७५</u>०० देवर प्राचित्र सिकार्ण दें के क्रिया होता है के स्वाचित्र स्वाच
- ന) ब्रह्माण, सम् प्येष्ठए एमष्ठभ ह्रेभ खोगागात्र रा॰५जूम जिष्एम् र,
- ट) स्थात क्यात प्रत्य त्या त्रिक्रम प्राण्या क्यात्र क्यात्
- ९॥ एञेक् प्राचिष्य का का प्राचिष्य हे हिंदि स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्व

ः तर्वर हेर्द्रथः प्रीलप्पष्टमः भार्त्रम राज्यपाटापाण लहतः । स्रोत

- **國) सरे सरेल्ल प्राया ए० एए एक्ट प्रथाणा, सक्षम रोक्षर मरेए रूपा ग्रेवटिक सर्वे** आर्थिष्ठ
- ॥ ठत्रकार जाणीलमालेम ठ०८भत्र व्हेद्ध्यम (ल

- \mathbf{m}) वेत्रभिष्णिकाणी ए५४४भिण वेंशिष्ण वेंश